

---

# Gauri Ashtottarashatanama Stotram

---

## गौर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Gauri Ashtottarashatanama Stotram

File name : gauri108Str.itx

Category : aShTottaraShatanAma, devii, pArvatI, stotra, dattAtreyAnandanAtha, devI

Location : doc\_devii

Author : Dattatreya

Transliterated by : Sridhar Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu

Proofread by : Sridhar Seshagiri, PSA Easwaran

Description-comments : Mahatmya Khandam of the Tripura Rahasyam, see corresponding  
nAmAvalI

Latest update : February 15, 2003, December 8, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 9, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

## गौर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्



दत्तात्रेयेण गौर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रोपदेशवर्णनम् ।  
अथ गौर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ।  
इति श्रुत्वा कथां पुण्यां गौरीवीर्यविचित्रिताम् ।  
अपृच्छद्भार्गवो भूयो दत्तात्रेयं महामुनिम् ॥ १ ॥  
भगवन्नद्भुततमं गौर्या वीर्यमुदाहृतम् ।  
शृण्वतो न हि मे तृप्तिः कथां ते मुखनिःसृताम् ॥ २ ॥  
गौर्या नामाष्टशतकं यच्छच्यै धिषणो जगौ ।  
तन्मे कथय यच्छ्रोतुं मनो मेऽत्यन्तमुत्सुकम् ॥ ३ ॥  
भार्गवोऽपृच्छेत्थमापृष्टो योगिराडत्रिनन्दनः ।  
अष्टोत्तरशतं नाम्नां प्राह गौर्या दयानिधिः ॥ ४ ॥  
जामदग्न्य शृणु स्तोत्रं गौरीनामभिरङ्कितम् ।  
मनोहरं वाञ्छितदं महाऽऽपद्विनिवारणम् ॥ ५ ॥  
स्तोत्रस्याऽस्य ऋषिः प्रोक्त अङ्गिराश्छन्द ईरितः ।  
अनुष्टुप् देवता गौरी आपन्नाशाय यो जपेत् ॥ ६ ॥  
हां हीं इत्यादि विन्यस्य ध्यात्वा स्तोत्रमुदीरयेत् ॥  
॥ ध्यानम् ॥  
सिंहसंस्थां मेचकाभां कौसुम्भांशुकशोभिताम् ॥ ७  
खड्गं खेटं त्रिशूलञ्च मुद्गरं बिभ्रतीं करैः ।  
चन्द्रचूडां त्रिनयनां ध्यायेत्गौरीमभीष्टदाम् ॥ ८ ॥  
॥ स्तोत्रम् ॥  
ॐ गौरी गोजननी विद्या शिवा देवी महेश्वरी ।  
नारायणाऽनुजा नम्रभूषणा नुतवैभवा ॥ ९ ॥


त्रिनेत्रा त्रिशिखा शम्भुसंश्रया शशिभूषणा ।  
 शूलहस्ता श्रुतधरा शुभदा शुभरूपिणी ॥ १० ॥  
 उमा भगवती रात्रिः सोमसूर्याऽग्निलोचना ।  
 सोमसूर्यात्मताटङ्गा सोमसूर्यकुचद्वयी ॥ ११ ॥  
 अम्बा अम्बिका अम्बुजधरा अम्बुरूपाऽऽप्यायिनी स्थिरा ।  
 शिवप्रिया शिवाङ्गस्था शोभना शुम्भनाशिनी ॥ १२ ॥  
 खड्गहस्ता खगा खेटधरा खाऽच्छनिभाकृतिः ।  
 कौसुम्भचेला कौसुम्भप्रिया कुन्दनिभद्विजा ॥ १३ ॥  
 काली कपालिनी क्रूरा करवालकरा क्रिया ।  
 काम्या कुमारी कुटिला कुमाराम्बा कुलेश्वरी ॥ १४ ॥  
 मृडानी मृगशावाक्षी मृदुदेहा मृगप्रिया ।  
 मृकण्डुपूजिता माध्वीप्रिया मातृगणेडिता ॥ १५ ॥  
 मातृका माधवी माद्यन्मानसा मदिरेक्षणा ।  
 मोदरूपा मोदकरी मुनिध्येया मनोन्मनी ॥ १६ ॥  
 पर्वतस्था पर्वपूज्या परमा परमार्थदा ।  
 परात्परा परामर्शमयी परिणताखिला ॥ १७ ॥  
 पाशिसेव्या पशुपतिप्रिया पशुवृषस्तुता ।  
 पश्यन्ती परचिद्रूपा परीवादहरा परा ॥ १८ ॥  
 सर्वज्ञा सर्वरूपा सा सम्पत्तिः सम्पदुन्नता ।  
 आपन्निवारिणी भक्तसुलभा करुणामयी ॥ १९ ॥  
 कलावती कलामूला कलाकलितविग्रहा ।  
 गणसेव्या गणेशाना गतिर्गमनवर्जिता ॥ २० ॥  
 ईश्वरीशानदयिता शक्तिः शमितपातका ।  
 पीठगा पीठिकारूपा पृषत्पूज्या प्रभामयी ॥ २१ ॥  
 महमाया मतङ्गैष्टा लोकालोका शिवाङ्गना ॥  
 ॥ फलश्रुतिः ॥  
 एतत्तेऽभिहितं राम ! स्तोत्रमत्यन्तदुर्लभम् ॥ २२ ॥

गौर्यष्टोत्तरशतनामभिः सुमनोहरम् ।  
आपदम्भोधितरणे सुदृढप्लवरूपकम् ॥ २३ ॥  
एतत् प्रपठतां नित्यमापदो यान्ति दूरतः ।  
गौरीप्रसादजननमात्मज्ञानप्रदं नृणाम् ॥ २४ ॥  
भक्त्या प्रपठतां पुंसां सिध्यत्यखिलमीहितम् ।  
अन्ते कैवल्यमाप्नोति सत्यं ते भार्गवेरितम् ॥ २५ ॥

The 108 names of Gauri are as recited by  
Lord Dattatreya to Parashurama in the  
Mahatmya Khandam of the Tripura Rahasyam.

Encoded by Sridhar Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu  
Proofread by Sridhar Seshagiri, PSA Easwaran

---

——  
*Gauri Ashtottarashatanama Stotram*  
pdf was typeset on December 9, 2022

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

